रामकथा महोत्सव में भगवान राम के जनकपुर आगमन का प्रसंग सुनाया

कोटा, (निसं)। दशहरा मैदान स्थित श्रीराम रंगमंच पर चल रही श्रीराम कथा महोत्सव के पंचम दिन संत मुरलीधर महाराज ने रामदूलक्ष्मण के जनकपुर आगमन, गंगा स्नान, विश्वामित्र-जनक संवाद और राम-जानकी विवाह के पूर्व की भूमिका जैसे प्रसंगों का भावपूर्ण और प्रेरणादायी वर्णन किया।

कथा में महाराज ने भक्त और भगवान के अनन्य संबंध को रेखांकित करते हुए कहा कि यदि हम अपने हृदय में भक्ति को स्थान देंगे, तो प्रभु स्वयं बिना बुलाए आ जाएंगे।

परमात्मा से तो डर को भी डर लगता है लेकिन वो केवल अपने भक्त से डरते हैं। जीवन यदि राममय होगा, तो हर संशय मिट जाएगा। जनकपुर पहुंचने पर दोनों राजकुमारों को देखकर जनकपुरवासी भावविभोर हो उठे। महाराज ने चौपाई उद्धत की 'भए सब सुखी देखि दोउ भ्राता, बारि बिलोचन पुलकित गाता.' जनकपुर में प्रभु की मधुर मूरत को देखकर विदेह जनक विशेष रूप से 'विदेह' हो गए। गुरु विश्वामित्र के आदेश पर राम-लक्ष्मण जनकपुर के बागों का

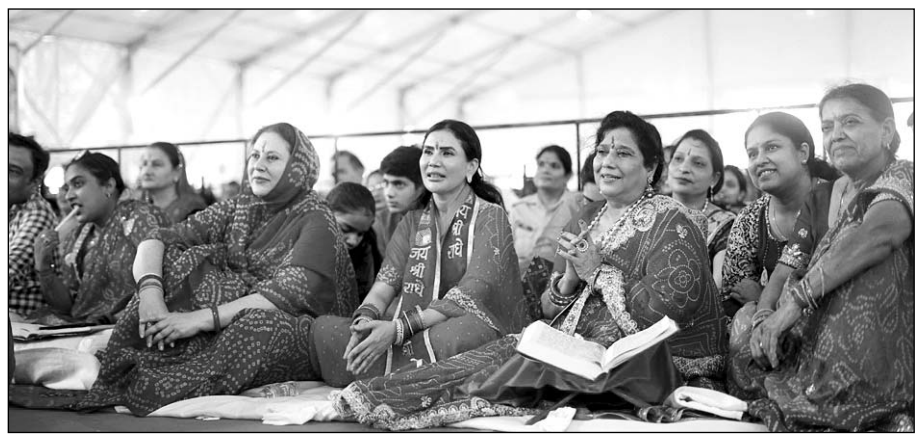

कोटा में हो रहे रामकथा महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

अवलोकन करते हैं।

महाराज ने भगवान के स्वरूप का सुंदर चित्रण करते हुए कहा, जैसे कन्हैया की बांसुरी की धुन पर गोपियाँ दौड़ पड़ती थी, वैसे ही रामजी को देखकर पूरा जनकपुर उमड़ पड़ा। कथा की शुरुआत में श्रीराम द्वारा पतित पावनी गंगा में स्नान का प्रसंग आया। महाराज ने कहा, दैनिक पापों की मुक्ति गंगा में डुबकी लगाने से होती है, पर प्रारब्ध पापों की मुक्ति केवल कथा रूपी गंगा में डुबकी से ही संभव है।

गंगा तट पर विश्वामित्र द्वारा श्रीराम को गंगा अवतरण की कथा सुनाने का प्रसंग भी वर्णित हुआ, जिसमें ईश्वर की कृपा और संयम की गाथा जुड़ी थी। महाराज ने कहा कि परमात्मा को पाने के लिए धन की नहीं, स्वच्छ भाव और समर्पित मन की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, केवल भक्त भगवान के प्रेम में नहीं रोता, भगवान भी भक्तों के प्रेम में रोते हैं। भरत-राम, भगवान कृष्ण-नरसी साक्षी हैं।

उन्होंने माता-बहनों से आग्रह किया कि लड्डू गोपाल के बाल स्वरूप की सेवा करें, पर उन्हें लेकर प्रदर्शन न करें। विग्रह स्वयं परमात्मा का प्रतीक

■ 'भए सब सुखी देखि दोउ भ्राता, बारि बिलोचन पुलकित गाता'

हैं। प्रेम हो तो प्राणों से अधिक हो।

कथा के दौरान 'अरे हट जइयो हठीला का...', 'रघुवर की प्राण पिया भजो मन सिया सिया', 'दशरथ राजकुमार नजर तोहे लग जाएगी...' जैसे भजनों पर श्रद्धालु झूमते रहे। श्रीराम कथा सेवा समिति की संरक्षक डॉ. अमिता बिरला, आयोजक अशोक जाजोदिया सहित परिवार ने व्यास पीठ का पूजन-आरती की।

कथा विराम पर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक कल्पना देवी, पूर्व जिलाध्यक्ष योगेन्द्र नंदवाना, सरस डेयरी चेयरमेन चैन सिंह राठौड़, समाजसेवी विशाल शर्मा, खण्डेलवाल समाज के अध्यक्ष नरेन्द्र खण्डेलवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय निझावन, नरेंद्र सोनी, पारस खींची, धर्मेंद्र हाड़ा आदि ने व्यासपीठ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मोहर्रम पर मातमी जुलूस निकला

मातमी धुनों के साथ जुलूस निकाला गया।

कोटा, (निसं)। साजीदेहड़ा, किशोरपुरा क्षेत्र में मोहर्रम के मौके पर कर्बला के 72 शहीदों की याद में मातमी जुलूस निकाला गया। पूरा इलाका 'या अली, 'या हुसैन' की सदाओं से गूंज उठा।

ताजिए और आलम के साथ निकले इस जुलूस में मुस्लिम समुदाय के हजारों लोग शरीक हुए। पार्षद सलीना शेरी ने बताया कि सुबह से ही गली-मोहल्लों में अकीदतमंदों की भीड़ रही। इमाम हुसैन की याद में जगह-जगह शरबत की सबीलें लगाई गईं और मदनी वेलफेयर सोसाईटी की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया। मोहर्रम के इस जुलूस ने गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की। हुसैनी सोसायटी के अखाड़े में युवाओं ने लाठी, डंडों से हैरतअंगेज करतब दिखाए। बच्चे और नौजवान हरे रंग की 'या हसन', 'या हुसैन' लिखी पट्टियाँ बांधकर जोश के साथ शामिल हुए। जुलूस विभिन्न इमामबाड़ों से होते हुए कर्बला मैदान पहुँचा, जहां सैकड़ों ताजियों और दर्जनों आलमों का मिलन हुआ।

वहां उपस्थित अकीदतमंदों ने मातम कर शहीद-ए-कर्बला को खिराज-ए-अकीदत पेश किया। इस अवसर पर हैदरी सोसायटी की ओर से पार्षद सलीना शेरी को बेहतरीन इंतज़ामात के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही, टिंकू अनवर फखरुद्दीन सलाम गब्बर अकरम खान टीपू सुल्तान सिकंदर अंसारी गोलू खान आशिक गब्बर हामिद मंसूरी इरफान अंसारी नवाजिश खान फकरुद्दीन, अकरम खान, शब्बू अंसारी, आरिफ खान, इब्राहिम मंसूरी, महफूज खान, गुड्डू, जहीर खान, आशिक, शाहरुख, सिकंदर अंसारी को भी समाजसेवा व सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

सार-समाचार

पदस्थापना दिवस समारोह आयोजित

कोटा, (निसं)। रोटरी क्लब कोटा सेंट्रल का अवार्ड और स्थापना दिवस समारोह उत्साह व उमंग के साथ आयोजित किया गया, जिसमें नई ऊर्जावान टीम ने समर्पित भाव से सेवा का संकल्प लिया। डी.जी रोटेरियन प्रज्ञा मेहता मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में ए.जी रोटेरियन रोशनी मिश्रा उपस्थित रहीं। अध्यक्ष रोटेरियन सीए विपुल अग्रवाल, सचिव रोटेरियन नवजोत सिंह भसीन और 31 सदस्यों वाले बीओडी ने पद की शपथ ली। 15 नए सदस्यों के शामिल होने के साथ 75 से अधिक सदस्यों ने परिवार के साथ कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अध्यक्ष विपुल अग्रवाल ने इस दौरान बताया कि इस तरह का भव्य आयोजन सभी के सहयोग से संभव हो सका और आगे भी वर्ष पर्यंत इसी तरह सभी समन्वय का भाव रखते हुए जरूरतमंदों की मदद करेंगे वहीं क्लब की योजनाओं को आगे बढ़ाएंगे। सचिव नवजोत ने बताया कि नई कार्यकारिणी निरंतर सभी का सहयोग लेगी और शिक्षा, चिकित्सा, पर्यावरण के साथ ही अन्य प्रोजेक्ट पर कार्य करेगी साथ ही जो भी क्लब को प्रोजेक्ट दिए जाएंगे उन्हें पूरा करने का प्रयास होगा।

पौधारोपण और संरक्षण का संकल्प

कोटा, (निसं)। शहर के अभेड़ा बायलॉजिकल पार्क परिसर में पगमार्क फाउंडेशन के वृक्ष मित्र पौधारोपण अभियान के उपलक्ष्य में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वन प्रेमियो द्वारा पौधारोपण किया गया जिसमें सभी ने एक उत्साह और उमंग के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पगमार्क फाउंडेशन के संयोजक निमिष गौतम ने कहा कि वृक्ष मित्र अभियान के तहत इस बार 3100 पौधे लगाने का संकल्प लिया है और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी ली है। यह अभियान दस चरणों में पूरा किया जाएगा। पगमार्क फाउंडेशन के अध्यक्ष देवव्रत सिंह हाड़ा ने कहा कि पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है। पर्यावरण संरक्षण का दायित्व प्रत्येक व्यक्ति का है। हमारे पूर्वजों द्वारा लगाए गए वृक्षों का लाभ हमें मिल रहा है। हमारे आस-पास हरियाली दिख रही है। इस कर्तव्य को पूरा करने का दायित्व प्रत्येक व्यक्ति का है। पर्यावरण को बचाना सबकी जिम्मेदारी है।

रक्तदान शिविर आयोजित

कोटा, (निसं)। मोहर्रम के मौके पर मदनी वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी कोटा की ओर से चंबल गार्डन सामने एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता सोसाइटी के अध्यक्ष कयूम खान ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहर काजी हज़रत जुबेर अहमद रहे। विशेष अतिथि के रूप में पार्षद सलीना शेरी तथा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व अल्पसंख्यक विभाग गुजरात प्रभारी इंसाफ आज़ाद उपस्थित रहे। शिविर में युवाओं, समाजसेवियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 68 यूनिट रक्तदान किया गया, जिसे शहर के विभिन्न अस्पतालों के ब्लड बैंकों को सौंपा गया। मुख्य अतिथि काजी जुबेर अहमद ने कहा कि 'मोहर्रम का महीना हमें कुर्बानी और इंसानियत की सेवा का संदेश देता है। रक्तदान के जरिए हम इस पैग़ाम को अमल में लाते हैं।' पार्षद सलीना शेरी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर सामाजिक एकता और मानवीय सेवा का प्रतीक हैं।

पौधारोपण कर आमजन को जागरूक किया

छबड़ा (निसं)। क्षेत्र की खाटूश्याम गौशाला के पास निर्माणाधीन योगाश्रम पर योगाध्यक्ष शंकरलाल नागर की अध्यक्षता में रविवार को देवशयनी एकादशी के अवसर पर पौधारोपण कर आमजन को पेड-पौधे लगाओ, हरियाली लौटाओ का संदेश दिया। हिंदू धर्म में देवशयनी ग्यारस एक अत्यंत महत्वपूर्ण तिथि है, क्योंकि इसी दिन से भगवान विष्णु चार मास के लिए क्षीरसागर (पाताल लोक) में योगनिद्रा में चले जाते हैं। इसके साथ ही चातुर्मास का आरंभ भी हो गया है, जो देवउठनी एकादशी (1 नवंबर 2025) तक चलेगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई

छबड़ा (निसं)। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती वरिष्ठ भाजपा नेता हिम्मतसिंह सिंघवी के नेतृत्व में पूर्व जिला महामंत्री लक्ष्मीनारायण केरवालिया, मुकेश मिश्रा, पवन गालव, पूर्व युवा मोर्चा महामंत्री लोकेश अहीर, बापचा मण्डल अध्यक्ष हेमराज लोधा, सेमली मण्डल अध्यक्ष रामप्रसाद नागर के मौजूदगी में मनाई गई।

■ राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को भारतीय राजनीति के केंद्र में स्थापित किया

यहां वक्ताओ ने कहा कि मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना कर राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को भारतीय राजनीति के केंद्र में स्थापित किया। वही, जम्मू-कश्मीर को अखंड भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए उन्होंने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान भी दिया। उनका त्याग, तप और राष्ट्र के प्रति समर्पित जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा-स्रोत बना रहेगा।

उन्होने कार्यकाल में उन्होंने अनेक रचनात्मक सुधार किए तथा इस दौरान कोर्ट एंड काउंसिल ऑफ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बैंगलोर तथा इंटर यूनिवर्सिटी बोर्ड के सक्रिय सदस्य भी रहे। साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से बताया। यहां महामंत्री रामस्वरूप गुर्जर, पूर्व पालिकाध्यक्ष भंवरलाल वर्मा, गोविंद माचल, गणेश भार्गव, मनोज राठौर, सुनील तेजस्वी, रोहित अरोडा, परमानंद साहू, भगवान नागर, मनीष मीणा, गौरव सेन, अधिवक्ता अमृतलाल लोधा, कांताप्रसाद, केदार सुमन, मोहनलाल साहू, महेंद्र खरारा, कल्पित नागर, कमल यादव, विकास तेजस्वी, रामचरण मीणा, नंदकिशोर लोधा, विवेक लोधा, मुकेश कुशवाह आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया

कोटा, (निसं)। भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन के आह्वान पर भाजपा कोटा शहर द्वारा बूथ स्तर पर मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि कर, संगोष्ठी का आयोजन किया गया तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किये गये। जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने कहा कि डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के पुरोधा थे, जिनका जीवन त्याग, तपस्या और राष्ट्रभक्ति की अमिट गाथा रहा है।

■ पुष्पांजलि कर भाजपा ने मुखर्जी को याद किया

उन्होंने कहा एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेगें, उसके लिये पूरी ताकत से लोकतान्त्रिक तरीके से लड़ाई लड़ी और अपना जीवन देशहित को समर्पित कर दिया। उनके इसी संकल्प को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार नें धारा 370, 35 ए को हटा पर पूरा किया। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संकल्प को राम मंदिर का भव्य निर्माण कर, सामाजिक न्याय को तीन तलाक को प्रतिबंधित कर पूरा किया है। वहीं आत्मनिर्भर भारत की ओर देश तेजी से बढ़ रहा है। जैन ने कहा कि डॉ.मुखर्जी ने देश की अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए अतुलनीय साहस और पुरुषार्थ का परिचय दिया। राष्ट्र निर्माण में उनका अमूल्य योगदान हमेशा श्रद्धापूर्वक याद किया जाएगा।

जैन ने कहा कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को ऑक्सीजन पर्याप्त मात्रा में मिले तथा पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने के लिए हम सभी को अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करना अत्यंत आवश्यक है तथा उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

रेलवे कोलोनी मण्डल में मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र सिह निर्भय, मण्डल प्रतिनिधि सीमा मरोठिया, स्टेशन मण्डल में दिनेश सरसिया, सत्यनारायण शर्मा, नयापुरा मण्डल में संजय समीर सैनी, सोनिया सिंह राठौड़, कुन्हाडी मण्डल में ओम शंकर सुमन, चेतन राठौर, रामपुरा मण्डल में चन्द्रप्रकाश महावर, महेन्द्र गर्ग, दादाबाडी मण्डल में लव आजाद, धर्मेन्द्र सिंह हाडा, केशवपुरा मण्डल में दिनू बंजारा, पारस खींचीं, महावीर नगर मण्डल में पन्नालाल बंजारा, बृजमोहन गौड़, आरकेपुरम मण्डल में अक्षय चौधरी, हरकचंद जैन, विज्ञान नगर मण्डल में संजय त्रिपाठी, गजेन्द्र सिंह देवडा, बोरखेड़ा मण्डल में मनोज गोस्वामी, सुरेश सिंह जादौन, छावनी मण्डल में नरेन्द्र मेघवाल, भूपेन्द्र भाया, उद्योग नगर मण्डल में मनोज तलाईचा, बद्री आर्य, गणेश नगर मण्डल में रामचंद्र नागर, सिंपल शर्मा, के सानिध्य में बूथ स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

पालतू कुत्तों के रेबीज टीके निःशुल्क लगाए

बूंदी (निसं)। पशुपालन विभाग एवं इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में वर्ल्ड जूनोसिस डे पर आयोजित शिविर में पालतू कुत्तों के रेबीज टीके नि:शुल्क लगाए गए। जिला पशु क्रूरता निवारण समिति कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम पारीक व संयुक्त निदेशक पशुपालन डॉ रामलाल मीणा ने बताया कि पालतू कुत्तों के लिए निशुल्क रेबीज टीकाकरण शिविर में 130 पालतू कुत्तों को नि:शुल्क रेबीज का टीका लगाया गया तथा वर्ल्ड जूनोसिस डे के अवसर पर पालतू कुत्तों के मालिकों के साथ सीधा संवाद कर उन्हें पालतू जानवरों के संपर्क में आने वाली बीमारी रेबीज के दुष्प्रभावों से अवगत कराया और इनकी सार संभाल को लेकर विस्तार से जानकारियां व सुझाव देते हुए रखरखाव एवं बचाव के लिए आवश्यक उपाय बताए गए। इस दौरान डॉ.भंवर लाल मीणा, डॉ.नीलकमल सक्सेना, डॉ मुकेश मीणा, कंपनी के जोनल सेल्स मैनेजर मुरली मनोहर, प्रतिनिधि दीपक राठौड, पशु निरीक्षक गणेश वर्मा, केवल सैनी मौजू रहे।

अखंड कीर्तन का पूजा अर्चना के साथ शुभारंभ

बून्दी (निसं)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व कल्याण व वैश्विक शांति के साथ अच्छी वर्षा की कामना के लिए शंभू ओमकारा अविनाशी गंगाधर कैलाशी 62 वें 72 घंटे के अखंड कीर्तन का शुभारंभ शनिवार रात्रि 10 बजे लंका गेट स्थित बैजनाथ महादेव मंदिर में विधि-विधान पूजा अर्चना के साथ हुआ। शिव कीर्तन मंडल के संरक्षक शोभाराम गुलाबवानी ने विधि विधान पूजा अर्चना के साथ अखंड कीर्तन का शुभारंभ कराया।

शिव कीर्तन मंडल के अध्यक्ष सत्यनारायण सोमानी ने बताया की विश्व कल्याण व वैश्विक शांति के साथ अच्छी वर्षा की कामना के लिए वैधनाथ महादेव पर 72 घंटे के अखंड कीर्तन 'शंभू ओमकारा अविनाशी गंगाधर कैलाशी' का आयोजन विगत 61 वर्षों से चला आ रहा है। इसी क्रम में शिव कीर्तन मंडल के तत्वाधान में 62 वें शंभू ओमकारा अविनाशी गंगाधर कैलाश अखंड कीर्तन का शुभारंभ शनिवार रात 10 बजे विधि विधान पूजा अर्चना के साथ किया गया। जिसकी पूर्णाहुति 8 जुलाई मंगलवार रात्रि 10 बजे महाआरती के साथ होगी। अखंड कीर्तन के लिए मंदिर को विद्युत सज्जा व फूलमाला आदि से सजाया गया तो वहीं वैद्यनाथ महादेव का आकर्षक श्रृंगार किया गया। सोमानी ने बताया कि शिव कीर्तन मंडल के संरक्षक शोभाराम गुलाबवानी सूरत से अखंड कीर्तन हेतु पधारें है जिन्होंने मंडली के साथ अखंड कीर्तन में हिस्सा लिया।

उन्होंने बताया कि सूरत से बड़ी संख्या में व्यापारी भी बूंदी पहुंचकर इस अखंड कीर्तन में हिस्सा लेते हैं। तीन दिवस तक अखंड रूप से शंभू ओमकारा का जाप किया जाएगा। इस दौरान शहर का माहौल भी भक्ति में हो गया। इस अवसर पर सिंधी समाज के अध्यक्ष मांगू मल डॉक्टर टी सी महावर,लंका गेट व्यापार मंडल के अध्यक्ष कालू कटरा, पूर्व उपसभापति सन्तोष कटारा सहित अन्य लोग मौजूद रही।

मातमी धुनों के बीच ताजिये निकले

बूंदी (निसं)। बूंदी शहर सहित पूरे जिले मे मोहर्रम की दसवीं तारीख को शहीद-ए-आजम हजरत सैयदना इमाम हुसैन व उनके साथियों की शहादत को याद करते ताजिया जुलूस हैरतअंगेज करतब दिखाते चलते अखाड़ेबाज, 'या अली या हुसैन', 'हक हुसैन मोला हुसैन', की मातमी धुनों के बीच निकाला गया। बुधवार सुबह इमाम चौक, फर्राशों का तकिया, महावती पाड़ा, निहारगर, लुहार कटला व सब्जीमंडी से निकले सभी छोटे बड़े ताजिये तिलक चौक पहुंचे। जहां पर सलामी के बाद शुरू हुआ जुलूस सदर बाजार, चौमुखा बाजार उठेरा बजार, नागदी बाजार, मीरागेट, जैतसागर रोड होते हुए जेतसागर तालाब पहुंच कर समाप्त हुआ। शहीदाने कर्बला को खिराज-ए-अकीदत पेश करने के बाद ताजियों को सुपुर्दे खाक किया गया।

जुलूस में शामिल जंगी लाठी और तलवार से करतब दिखा रहे नौजवान, कंधार पाड़ा के मरहूम उस्ताद सैय्यद गुलजार अली जी का अखाड़ा अली शेरे खुदा में अखाड़े खेलते अखाड़ेबाज और जुलूस के साथ चल रहे ताजिया लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। ताजिया जुलूस में शामिल युवकों ने लाठी, डंडा, तलवार, एक से बढ़ कर एक हैरतअंगेज कलाबाजी का प्रदर्शन करते हुए या अली या हुसैन, लब्बैक या हुसैन नारों की सदाओं से शहर गूंज उठा। जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी शांतिपूर्ण ढंग से मातमी धुन के साथ ताजिया निशान के साथ मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। इमाम हुसैन व उनके जाँनिसारों के इसाले सवाब के लिए घरों में कुरआन ख्वानी फातिहा ख्वानी व दुआ ख्वानी हुई। अकीदतमंदों ने लंगर बांटा गया। शाम को जिन्होंने दसवीं मोहर्रम का रोजा रखा, उन्होंने मगरिब की अजान पर रोजा खोला।

पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

भवानीमंडी, (निसं)। पृथ्वी बचाओ चैरिटेबल ट्रस्ट इंडिया द्वारा संचालित संकल्प वन महोत्सव अभियान के तहत रविवार को ग्राम पंचायत सुलिया के बालाजी मंदिर परिसर पर एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वर्गीय कैलाश भाराडिया की स्मृति में किया गया।

इस अवसर पर उनके सुपुत्र शरद भाराडिया, ने कार्यक्रम में आये हुऐ सभी अतिथियों को माला पहनकर स्वागत किया। ट्रस्ट संस्थापक अध्यक्ष फूलचंद वर्मा ने बताया कि इस अवसर पर पुलिस उपअधीक्षक प्रेमचंद चौधरी, थानाधिकारी रमेश चंद मीणा, पूर्व चेयरमैन रामलाल गुर्जर, पूर्व सूलिया सरपंच हरि सिंह गुर्जर, सरपंच बहादुर गुर्जर, तथा समाजसेवी ऋतिक शर्मा अरविंद वर्मा गोविंद वर्मा अर्जुन गुर्जर राधे गुर्जर सहित कई गणमान्य नागरिक और युवा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पुलिसउपाधिक्षक प्रेमचंद चौधरी ने पौधारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में जलवायु परिवर्तन एक गंभीर विषय बन चुका है। ऐसे में वृक्षारोपण केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मानवता का संरक्षण है। पौधों को लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी देखभाल करना भी हमारा कर्तव्य है।

उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से अनुरोध किया कि इस मानसून अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उन्हें जीवित बनाए रखने की जिम्मेदारी भी निभाएं। इस अवसर पर थानाधिकारी रमेश चंद मीणा ने कहा कि प्रकृति से जुड़ना ही सच्ची समाजसेवा है। पौधे हमारी सांस्कृतिक विरासत और भावी पीढ़ी के लिए सबसे मूल्यवान उपहार हैं। यह अभियान हर नागरिक को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

सांगोद में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे अंत्योदय संबल शिविर का अवलोकन

कोटा, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को सांगोद में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के आयोजित अंतर्गत शिविर का निरीक्षण करेंगे। वे शिविर में उपस्थित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद करेंगे।

■ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ करेंगे सुपोषित मां अभियान का शुभारंभ

■ सांगोद को मिलेगी 92.35 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

कार्यक्रम में चयनित 5 मेधावी छात्राओं को स्कूटी वितरित की जाएगी। इसके साथ ही, सांगोद के महाराव भीमसिंह स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सांगोद विधानसभा क्षेत्र में 'सुपोषित मां अभियान' का भी शुभारंभ करेंगे। लोकसभा अध्यक्ष बिरला और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा मंच से 1500 गर्भवती महिलाओं को पोषण किट वितरण की शुरुआत करेंगे। यह अभियान उन महिलाओं के लिए समर्पित है जिनका वजन 50 किलोग्राम से कम है और जिन्हें अतिरिक्त पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता है। पोषण किट में पौष्टिकता से भरपूर 16 किलो खाद्य सामग्री जैसे गेहूं, मक्का, बाजरा आटा, मल्टीग्रेन दलिया, चावल, सोया बड़ी, मूंग दाल, उड़द, चना, गुड़, मूंगफली, खजूर, लड्डू, आंवला कैंडी आदि रखी गई है, जो मौसम के अनुसार बदली भी जा सकेगी। इस योजना के अंतर्गत आगामी 10 महीनों तक प्रत्येक माह पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित कर यह किट दी जाएगी। साथ ही महिलाओं के स्वास्थ्य कार्ड बनाए जाएंगे और प्रत्येक माह नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच तथा परामर्श की सुविधा दी जाएगी, जिसकी जानकारी कार्ड में दर्ज की जाएगी।

92.35 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की मिलेगी सौगात:-कार्यक्रम के दौरान सांगोद को कुल 92.35 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी जाएगी। इसमें 26.24 करोड़ रुपए की लागत से परवन नदी पर बनाए गए उच्च स्तरीय पुल का लोकार्पण किया जाएगा, जो पलायथा, राजगढ़, कुंदनपुर और सांगोद रोड़ को जोड़ता है।

वहीं 45 करोड़ रुपए की लागत से कालीसिंध नदी पर निर्मित कैथून, राजपुरा, बालाजी की थाक, अडूसा मार्ग पर उच्च स्तरीय पुल का लोकार्पण भी किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की यातायात व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार होगा। सांगोद नगर पालिका क्षेत्र में 16.69 करोड़ रुपए की लागत से सीवरेज लाईन और एक एमएलडी ट्रीटमेंट प्लांट की परियोजना का शिलान्यास किया जाएगा।

यह कार्य रूडसीको द्वारा कराया जाएगा, जिसके लिए कार्यादेश जारी हो चुके हैं और 11.50 किलोमीटर लंबी सीवरेज लाइन बिछाई जाएगी। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत ग्राम कनवास में 41.87 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा होगा।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जयंती समारोह मनाया

बूंदी (निसं)। रविवार को भाजपा द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म जयंती समारोह सभी शक्ति केंद्रों पर मनाया गया। समारोह में मुख्य वक्ता पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल वक्ता तथा वक्ता भगवान लाडला रहे। अपने संबोधन में इन्होंने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन परिचय सहित उनके किये कार्यों को बताया उनके त्याग पूर्ण जीवन व जनसंघ की स्थापना से लेकर कश्मीर को लेकर उनके विचारों की विवेचना की गई। समारोह में हर कार्यकर्ता को उनकी जीवनी से प्रेरणा लेकर अपने देश,धर्म के प्रति लोगों में सच्ची सद्भावना कैसे स्थापित हो इसकी विस्तार से चर्चा की गई। मीडिया प्रभारी अभिषेक जैन ने बताया कि इस मौके पर बूथ संख्या 23से 40 व 44 से 46 तक कर समस्त बूथ अध्यक्ष व शक्ति केंद्र प्रभारी सहित सभापति सरोज अग्रवाल, शहर अध्यक्ष राजकुमार श्रृंगी, भाजपा नेता व शक्ति केंद्र संयोजक अशोक जैन, संजय लाठी पूर्व पार्षद राजेश शेरगड़िया, पेंशु सिंह, विक्रम सिंह मनीष सिसोदिया, नवीन सिंह, राजेश खोईवाल, गणेश सोनी, अनिल मराठा, गजेंद्र सिंह, रामजी टेलर, राजेन्द्र सिंह, मुकेश सोमानी, महावीर सालीवाल, पदम जेन, नाथू लाल सोनी, विकास खत्री, पं आत्माराम, देवेंद्र सिंह, चोथमल सोनी आदि उपस्थित रहे।

छबड़ा में इमाम हुसैन की शहादत की याद में ताजिये निकाले

छबड़ा (निसं)। इस्लाम के पैग़म्बर हज़रत मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन की शहादत की याद में कस्बे में मुस्लिम समाज, शिया दाउदी बोहरा समाज व ईरानी समुदाय के लोगो द्वारा मोहर्रम इबादत व अक़ीदत के साथ मनाया जा रहा है। इसको लेकर मुस्लिम समाज के लोगो द्वारा गली मोहल्लो में लंगर बना कर तक़सीम किये जा रहे है। वही शिया दाउदी बोहरा समाज द्वारा भी 10 दिनों तक मजलिस पड़ी गई। साथ ही ईरानी समाज द्वारा भी रविवार को मातमी अलम का जुलूस निकाला गया।

इमाम हुसैन की शहादत की याद में मोहर्रम इबादतों व अकीदत से मनाया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार क़स्बे में इन दिनों इमाम हुसैन की शहादत की याद में मुस्लिम समाज के लोगो द्वारा मोहर्रम इबादतों व अक़ीदत से मनाया जा रहा है। समाज के लोगो द्वारा गली-मोहल्लों में खिचडे व अन्य लंगर बनाकर तक़सीम किया जा रहा है तथा छबीले लगाकर शरबत पिलाया जा रहा है। साथ ही शनिवार व रविवार को रोज़े रखकर ज़्यादा से ज़्यादा इबादतें की गई।

वहीं कस्बे के शिया दाउदी बोहरा समाज द्वारा भी शनिवार को (आशूरा) 10 मोहर्रम पर इबादते की गई तथा 10 दिन तक बोहरा मस्जिद में मजलिस पड़ी गई। मुल्ला हुसैन भाई ने वाज़ की जो मुम्बई से आये हुए है। साथ ही यूसुफ भाई की तरफ़ से 10 दिन तक सबील में शरबत तकसीम किया गया तथा बुरहानुद्दीन भाई की तरफ से 10 दिन तक खाना खिलाया गया। वही प्रतिवर्ष की भांति ईरानी समाज ने भी रविवार को मातमी अलम का जुलूस निकाल कर इमाम हुसैन की शहादत को याद किया।

मोहर्रम माह में ईरानी समुदाय द्वारा प्रतिदिन करबला के शाहिदों के याद में मर्सिया पढ कर मातम किया जा रहा है। ईरानी समुदाय के वसीम ईरानी ने बताया कि कस्बे की ईरानी बस्ती में इन दिनों समुदाय के लोग रोज़ाना मजलिस कर मातमी धुनों के साथ मातम कर रहे है रविवार को ईरानी समाज ने अलम के साथ ईरानी बस्ती से मामा होटल की गली से होते हुए काले वस्त्र धारण कर मातमी जुलूस निकाला। जुलुस में छोटे छोटे बच्चों ने भी भाग लिया।

जुलूस में आगे ग़मज़दा मर्सिया पढ़ कर हुसैन की शहादत को याद करते हुए अहिंसा सर्किल पर खून का मातम किया गया। बाद में जुलूस ईरानी बस्ती में पहुंच कर समाप्त हो गया। जुलूस में मौलाना सनकन्त अली, शेरू ईरानी, बाबू ईरानी, मिर्ज़ा ईरानी, टीपू ईरानी, बरकत ईरानी, अज़हर ईरानी व नजीर ईरानी सहित कई लोग शामिल रहे।